

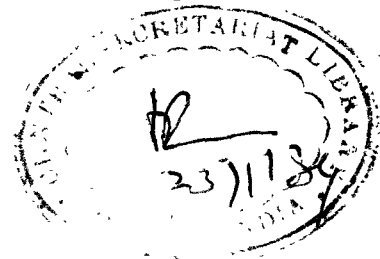


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 103]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 16, 1988/वैशाख 26, 1910

No. 103]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 16, 1988/VAISAKHA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मई, 1988

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/88.—10.50
प्रतिशत ऋण, 1998, 11.00 प्रतिशत ऋण, 2,003
और 11.5 प्रतिशत ऋण, 200 के लिए 1,500
करोड़ रुपये की कुल राशि के वास्ते 23 मई, 1988
को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में
या भारत सरकार के 5½ प्रतिशत ऋण, 1988 की
प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य
लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार
द्वारा 23 मई 1988 को छुट्टी घोषित किये जाने पर
अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित
आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे।

सरकार को 1,500 करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त 10
प्रतिशत या यथासंभव उसके निकट तक के अभिदानों को
रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1650
करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक
आधार पर नकदी में आंशिक आवंटन किया जाएगा।
यदि आंशिक आवंटन किया जाता है तो आंशिक आवंटन
के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी
जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज
अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया
जाने वाला और 23 मई 1998 को सममूल्य पर प्रतिदेय
10.50% ऋण, 1998

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 23 मई
1998 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक)
का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 23 मई 1988 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 23 नवंबर और 23 मई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 23 मई 2003 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.00 प्रतिशत ऋण 2003।

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 23 मई 2003 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 10,00.00 (सांकेतिक)
का निर्गम मूल्य रु. 10,00.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 23 मई 1988 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 23 नवंबर और 23 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 23 मई 2008 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण 2008।

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 23 मई 2008 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक)
का निर्गम मूल्य रु. 10,00.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 23 मई 1988 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 23 नवंबर और 23 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

परिवर्तन की शर्तें

7. 5½ प्रतिशत ऋण 1988 की प्रतिभूतियां सममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तन के लिए स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली 5½ प्रतिशत ऋण, 1988 की प्रतिभूतियों पर नयी प्रतिभूतियां जारी करते समय वार्षिक 5½ प्रतिशत की दर पर 22 मई, 1988 सहित उस दिन तक का ब्याज अदा किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

8. आवेदन - पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :-

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय ; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

9. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

10. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिनपर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है कि जिसमें यह प्राधिकृत किया गया है कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होनेवाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती किये बिना उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाली ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80उ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

12. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्यों और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियमों की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति-कर से छूट प्राप्त होगी।

13. प्रतिभूतियाँ केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेगी।

14. ऋणों के लिए आवेदनपत्रों-ऋणों के लिए आवेदन-पत्र रु० 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

15. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फॉर्म में या किसी ऐसे दूसरे फॉर्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

16. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में या $5\frac{1}{4}$ प्रतिशत ऋण 1988 की

प्रतिभूतियों, जो परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जा रही हैं, के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए, भारतीय रिज़र्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियाँ धारक द्वारा सरकार को निम्नप्रकार अन्तरित की जाएँ :—

(1) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाण-पत्राण के पीछे अंतर विलेख के फॉर्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके।

(2) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्न प्रकार से पृष्ठंकित किया जाए—

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें।”

17. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आवंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आवंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक—वाणिज्य और सहकारी बैंक— उनके अपने अभिदानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

बी. बाल सुब्रमणियन,
विशेष कार्य अधिकारी।

दलाल की मुहर और पता

आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु. _____ (_____ रुपये) के लिये नकदी*

_____ रु. _____ (_____ रुपये) के सांकेतिक चैक

मूल्य की 5-1/4 प्रतिशत ऋण, 1988 की प्रतिभूतियां* प्रस्तुत करता हूं/करते हैं और यह अनुरोध करता हूं/करते हैं कि मुझे/हमें * स्टाक प्रमाणपत्र/मेरे/हमारे * एस. जी. एल खाते में जमा के रूप में रु. के सांकेतिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत ऋण, 1998*/11.00 प्रतिशत ऋण 2003*/11.50 प्रतिशत ऋण, 2008 * की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मैं/हम* चाहता हूं/चाहते हैं कि उनका ब्याज _____ में अदा किया जाये।

विशेष टिप्पणी :

इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।

प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जायेंगी।

	आद्यक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं. _____		
"दलाली नहीं" मुहर _____		
नकदी प्राप्त होने की तारीख _____		
चैक वसूल होने की तारीख _____		
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख _____		
जांच की गयी _____		
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया _____		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया _____		
मांग पत्र सं. _____		
प्रतिभूति सं. _____		
कार्ड सं. _____		
वाउचर पारित करने की तारीख _____		

हस्ताक्षर _____

पूरा/(पूरे)नाम _____

पता _____

दिनांक _____ मार्च, 1988

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाये।

टिप्पणियां:— 1. परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां यदि, वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक/कों के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पृष्ठांकित किया जाए —भारत के राष्ट्रपति को अदा करें और यदि वे स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये अंतरण विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करें/करें।

2. प्रत्येक ऋण, अपेक्षित नये ऋण के अभिदान के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

3. यदि आवेदक का हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों : साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं ।
4. यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं :—
 - (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि ।
 - (ii) कंपनी/निकाय के बहिर्नियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां ।
 - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ ।
5. आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भरना चाहिए ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th May, 1988

No. F. 4(5)W&M]88.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1998, 11.00 per cent. Loan, 2003 and 11.50 per cent. Loan, 2008 for an aggregate amount of Rs. 1500 crores will be received in the form of cash or securities of Government of India 5-1/4 per cent. Loan, 1988 on the 23rd May, 1988 upto the close of Banking hours. In the event of 23rd May, 1988 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1981, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 1500 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1650 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent. Loan, 1998 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 23rd May, 1998.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 23rd May, 1988.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from

23rd May, 1988. Interest will be paid half-yearly on the 23rd November and 23rd May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent. Loan, 2003 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 23rd May, 2003.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 23rd May, 2003.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent per annum from 23rd May, 1988. Interest will be paid half-yearly on the 23rd November and 23rd May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent. Loan, 2008 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 23rd May, 2008.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 23rd May, 2008.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 23rd May, 1988. Interest will be paid half-yearly on the 23rd November and 23rd May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. The net amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off the next rupee.

CONVERSION TERMS

7. The Securities of 5-1/4 per cent Loan, 1988 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 5-1/4 per cent Loan, 1988 tendered for conversion will be paid upto and inclusive of 22nd May 1988 at the rate of 5-1/4 per cent per annum at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

8. Applications will be received at :

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum ; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

9. Place of Payment of Interest.— Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury of Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

10. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

11. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investment will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

12. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

13. The Securities will be issued in the Form of Stock only.

14. Applications for the Loans—Applications for the Loans must be for Rs. 1,000 or a Multiple of that sum.

15. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

16. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of 5-1/4 per cent Loan, 1988 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government.—

(i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :—
'Pay to the President of India'.

17. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,

V. BALASUBRAMANIAN, Officer on Spl. Duty

FORM OF APPLICATION

Broker's Stamp with Address

I/We*
(Full Name(s) in Block Letters)

herewith tender* Rs. (Rupees.....)/
Cash
Cheque for

*Securities of 5 1/4 per cent Loan 1988 of the nominal value of Rs.....(Rupees.....)
and request that Securities of 10.50 per cent. Loan 1988*/11.00 per cent. Loan 2003*/ 11.50 per cent. Loan 2008* of the
nominal value of Rs.....may be issued to me/us*in the form of Stock Certificate*/
Credit to my/our *S.G.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.:— The applicant should not write anything in this cage.

The entries will be filled in by the Receiving Office

Signature(s)

	Initials	Date	Name(s) in full (Block Letters)
Application No.			
N.B. Stamp			
Cash			
Received on			Address.....
Cheque			
Realised on			
Credit to			
Special Current			
Account on			
Examined			
Cash			
Applications			
Register posted			Dated the.....
Brokerage			of March 1988.
Register			
Posted			
Indent No.			
Scrip No.			
Card No.			
Voucher			
Passed on			

*Delete what is not required.

Notes:— (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names occupations and addresses of the witnesses would be appended to their signatures.

-
- (4) If the application is made in the name of the registered body the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the Company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on stock certificate/s issued to them.
-